प्रेस विज्ञप्ति

- चिकित्सा विश्वविद्यालय के मा0 कुलपति प्रो0 मदनलाल ब्रह्म भट्ट जी द्वारा मरीजों के हितार्थ चिकित्सा विश्वविद्यालय में पिछले कुछ समय से जांच की बढ़ी दरों यथा बेड शुल्क, प्राइवेट वार्ड आदि के बढ़े हुए शुल्कों को वापस लेने का निर्णय लिया गया है, यह निर्णय के0जी0एम0यू0 अस्पताल सलाहकार बोर्ड के बैठक के बाद लिया जाएगा। यह कदम चिकित्सा विश्वविद्यालय में उपचार हेतु आने वाले मरीजों के हित में होगा। तथा इससे मरीजो पर पढ़ रहा अतिरिक्त वित्तीय भार कम होगा।
- के0जी0एम0यू0 ट्रॉमा–2 को शासन द्वारा पी0जी0आई0 को हस्तांतरीत करने का निर्णय लिया गया है। ज्ञात हो की अभी तक ट्रॉमा–2 का संचालन के0जी0एम0यू0 के संसाधनों पर ही निर्भर था, जिससे की के0जी0एम0यू0 पर आर्थिक बोझ काफी बढ़ गया था।
- मा0 कुलपति महोदय द्वारा आज ट्रॉमा सेंटर के तीसरी मंजिल स्थित सघन चिकित्सा इकाई (आई0सी0यू0, टी0वी0यू0) का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान मा0 कुलपति जी के साथ चिकित्सा विश्वविद्यालय के सी0एम0एस0, प्रो0 यू0बी0 मिश्रा, प्रो0 हैदर अब्बास, विभागाध्यक्ष इमरजेंसी मेडिसिन विभाग, प्रो0 जी0पी0 सिंह , टी0वी0यू0 इंचार्ज उपस्थित रहे। इस दौरान मा0 कुलपति जी ने ट्रॉमा सेंटर की साफ–सफाई की व्यवस्था का निरीक्षण किया साथ ही साथ मा0 कुलपति जी द्वारा टी0वी0यू0 के बाहर मरीजो के तीमारदारों से बात–चीत की गई और उनकी समस्याओं का वहीं पर त्वरित निराकरण भी करवाया गया। इस दौरान मा0 कुलपति जी ने ट्रॉमा के अधिकारियों से को यह निर्देश दिया की किस तरह से मरीजो की आवक प्रबंधन किया जाए ताकि मरीजो के उपचार में कोई बाधा या देरी उत्पन्न न हों और मरीजो को आसानी से इलाज उपलब्ध हो सके।
- मा0 कुलपति प्रो0 मदनलाल ब्रह्म भट्ट जी द्वारा आज कलाम सेण्टर में के0जी0एम0यू0 इंस्टीट्यूट ऑफ पैरामेडिकल साईंसेज के छात्रों को सम्बोधित किया गया। मा0 कुलपति जी के सम्बोधन के पूर्व अधिष्ठाता पैरामेडिकल प्रो0 विनोद जैन ने पैरामेडिकल पाठ्यक्रम की उपयोगिता को बताते हुए इसकी क्रिया विधि एवं विभिन्न गतिविधियों से मा0 कुलपति महोदय को अवगत कराया गया। प्रो0 जैन ने मा0 कुलपति जी से यह भी निवेदन किया कि के0जी0एम0यू0 इंस्टीट्यूट ऑफ पैरामेडिक साईंसेज में शीध्र ही पैरामेडिकल स्नातक पाठ्यक्रम एवं शिक्षको की उपलब्धता को सुनिश्चित कराये जाने का आग्रह किया।

  इस अवसर पर मा0 कुलपति जी ने कहा कि समग्र चिकित्सा सुविधा प्रदान करने के लिए कुशल पैरामेडिकल कर्मियों की नितांत अवश्यकता है। के0जी0एम0यू0 इंस्टीट्यूट ऑफ पैरामेडिकल साईंसेज द्वारा संचालित विभिन्न पाठ्यक्रम एक सराहनीय कदम है। मा0 कुलपति जी ने विद्यार्थियों को जिम्मेदारी मर्यादित व्यवहार एवं अनुशासित रहने की निर्देश दिए। उन्होंने यह भी बताया कि 'समय की पाबंदी, सफलता की कुंजी' है। आज का युवा ही हमारा कल का भविष्य है। यह ऊर्जा सही दिशा में प्रवाहित होगी तो जन समान्य को अत्यन्त लाभ मिलेगा। मा0 कुलपति जी ने छात्रों को नसीहत देते हुए कहा कि सभी छात्र–छात्राएं आपस में मर्यादित आचरण का निर्वाह करें एवं ऐसा व्यवहार न करें जो चिकित्सा विश्वविद्यालय की मर्यादा को ठेस पहुंचाये। अपने चुने व्यवसाय में उच्च कोटी की क्षमता प्राप्त करना ही जीवन का परम उद्देश्य होना चाहिए। मा0 कुलपति जी ने अधिष्ठाता पैरामेडिकल के कार्यो की सराहना करते हुए यह आश्वासन दिया की वह शीध्र ही संस्थान में पैरामेडिकल शिक्षकों की उपलब्धता और स्नातक पाठ्यक्रम आरम्भ करने सम्बंधी समस्या का निराकरण करेंगे। इस अवसर पर अधिष्ठाता पैरामेडिकल ने मा0 कुलपति जी के निर्देश पर पैरामेडिकल के सभी विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों को स्वच्छता की शपथ दिलवाई गई।